बिहार के दो शिक्षक-शिक्षिका 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार' से सम्मानित

चर्चा में क्यों?

5 सितंबर, 2022 को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में बिहार के दो शिक्षक-शिक्षिका सौरव सुमन और निशि कुमारी को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2022 से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि इस वर्ष देश भर से 46 शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये चुना गया था, जिनमें बिहार के दो शिक्षक-शिक्षिका भी शामिल थे।
- राष्ट्रपति द्वारा दोनों शिक्षक-शिक्षिका को सम्मानस्वरूप रजत पदक, 50 हज़ार रुपए की पुरस्कार राशि का चेक और प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।
- राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2022 से सम्मानित बिहार के इन दो शिक्षकों में महादेव उच्च माध्यमिक विद्यालय खुशरूपुर, पटना की शिक्षिका निशि कुमारी और ललित नारायण लक्ष्मी नारायण प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय त्रिवेणीगंज, सुपौल के शिक्षक सौरव सुमन शामिल हैं।
- सुपौल के शिक्षक सौरव सुमन ने जहाँ राज्य के सरकारी स्कूलों में तकनीकी क्षेत्र को मज़बूत करने का काम किया है, वहीं पटना की शिक्षिका निशि कुमारी ने बालिका स्वास्थ्य और सेनेटरी पैड पर विशेष योगदान दिया है।
- गौरतलब है कि शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा मंत्रालय का स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग प्रतिवर्ष 5 सितंबर को एक राष्ट्रीय समारोह का आयोजन करता है, जिसमें देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं।
- पुरस्कारों के लिये शिक्षकों का चयन ऑनलाइन तीनस्तरीय चयन प्रक्रिया के ज़रिये पारदर्शी तरीके से किया जाता है।
- शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने का उद्देश्य देश के शिक्षकों के अनूठे योगदान को रेखांकित करना और ऐसे शिक्षकों का सम्मान करना है, जिन्होंने अपनी प्रतिबद्धता व परिश्रम से न सिर्फ स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया है, बल्कि अपने छात्रों के जीवन को भी समृद्ध किया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/two-teachers-from-bihar-honoured-with-national-teacher-award